>

Title: Need to grant a separate quota of Kerosene besides PDS for the operation of the outboard Mechanized Engine Vessels by fishermen community of Maharashtra.

डॉ. संजीव गणेश नाईक (ठाणे): धन्यवाद सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि महाराष्ट्र में बहुत-से मछुआरे जिनकी बोट होती है और जो फिशिंग करते हैं, उनके लिए केरोसिन का खासकर कोटा मंजूर किया जाए। इसके ऊपर मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करूंगा। पिछले करीब पाच-छः वर्षों से यह मामला राज्य सरकार के द्वारा केन्द्र के माध्यम से उठाया जा चुका है। महाराष्ट्र में करीब 720 किलोमीटर का पूरा समुद्री किनारा है जहां ये मछुआरे जाते हैं। करीब-करीब 70000 की संख्या में ये मछुआरे अपनी बोट लेकर समुद्र में जाते हैं। रत्नागिरी और सिन्धुदुर्ग, ये जो दो जिले हैं, इनमें करीब 1500 मछुआरे हैं, यह मांग खासकर उनकी ओर से है। इसी तरह का खास कोटा केरल और गुजरात के लिए केन्द्र सरकार ने पहले से मंजूर किया हुआ है। यह बात पिछले 7 अप्रैल, 2010 से उठाया गया है। इसके दो साल हुए। इसकी मांग बार-बार की जा रही है कि हमें एक्स्ट्रा कोटा दीजिए क्योंकि महाराष्ट्र में केरोसिन पी.डी.एस. के माध्यम से दिया जाता है। मैं आपके माध्यम से दरख्वास्त करूंगा कि केन्द्र में पहले से स्पेशल कोटा मंजूर करने के लिए जो प्रस्ताव आया हुआ है, वह जल्द से जल्द मंजूर हो। मैं आपके माध्यम से यह विनती करता हूं।

सभापति महोदय : श्री संजीव जी, किरासन के मंत्री तो लम्बे समय तक आपके महाराष्ट्र के ही रहे हैं।